अलेक्स को चाहिए डायनासोर

हियावन, चित्र : सतोशी , हिंदी : विदूषक

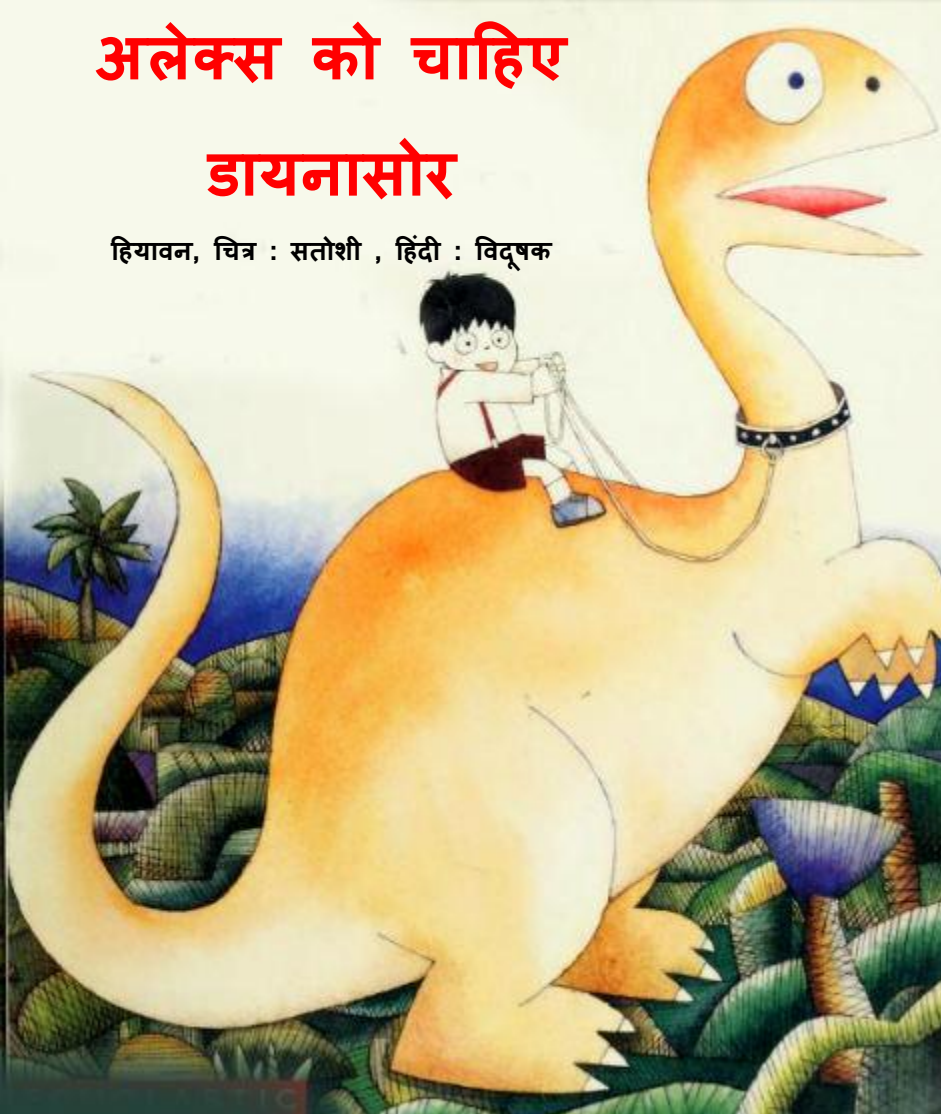

अलेक्स को चाहिए डायनासोर

हियावन, चित्र : सतोशी , हिंदी : विदूषक

अलेक्स को चाहिए डायनासोर

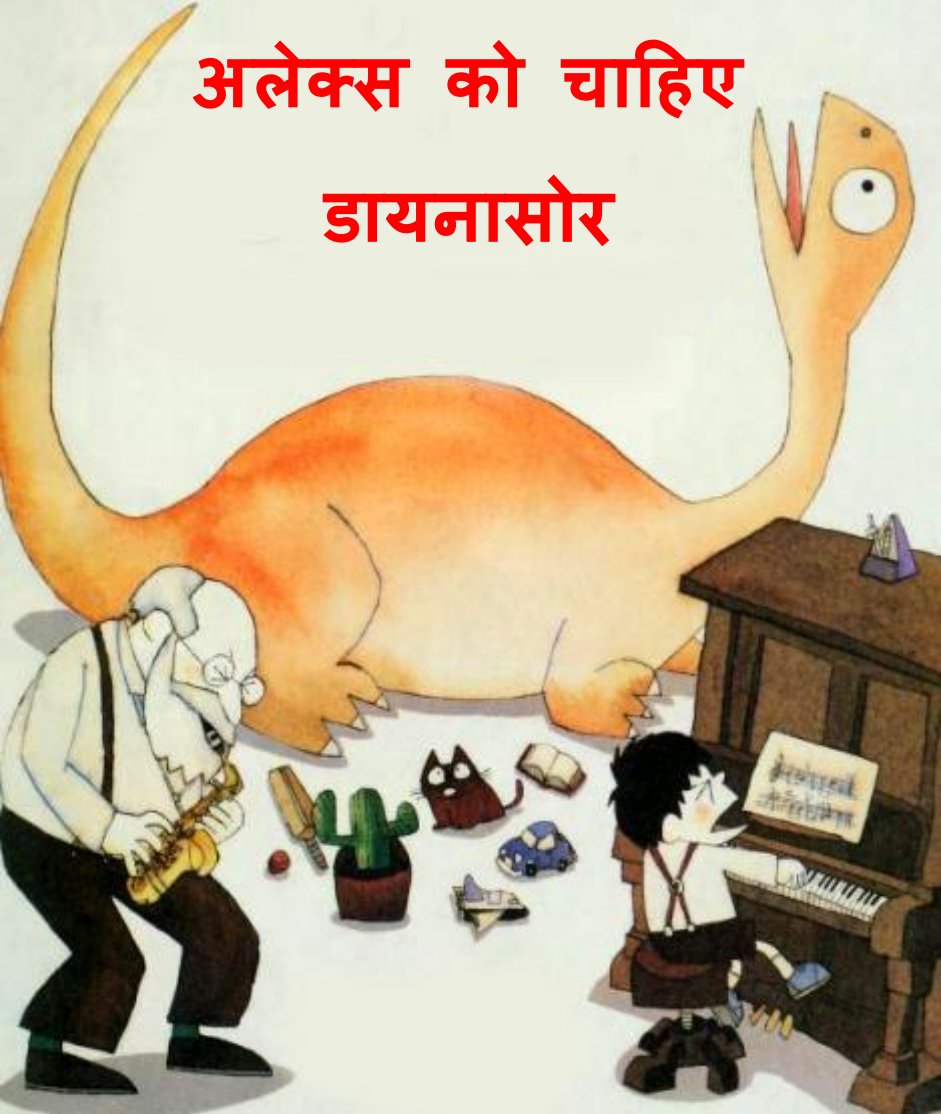

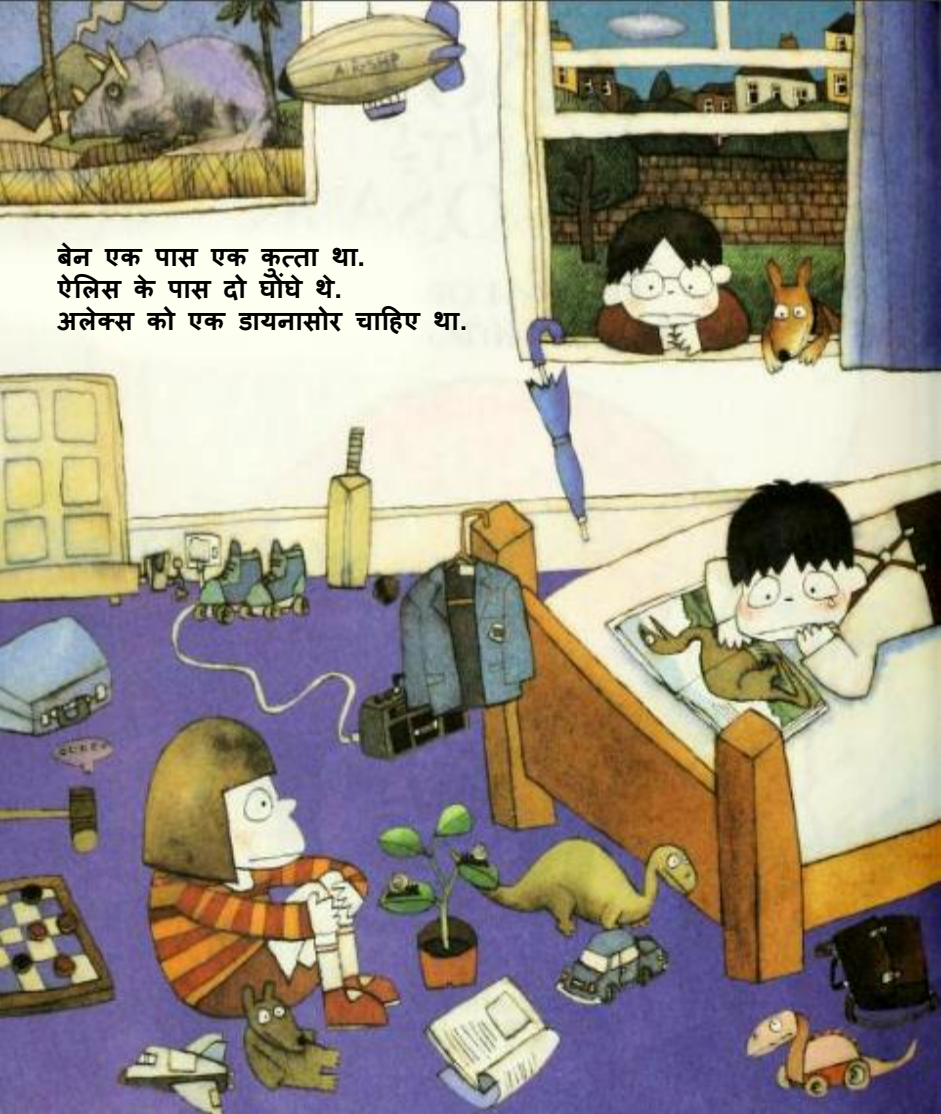

बेन एक पास एक कुत्ता था.
ऐलिस के पास दो घोंघे थे.
अलेक्स को एक डायनासोर चाहिए था.

अलेक्स अपने पलंग में लेटे हुए रोता रहा.
“मुझे एक डायनासोर चाहिए,” उसने सुबकते हुए कहा.
फिर दादाजी ने अपना वाद्ययंत्र नीचे रखा.
उन्होंने अपना कोट पहना और कहा,
“अगर किसी लड़के को डायनासोर से इतना प्रेम है,
तो फिर उसे डायनासोर मिलना ही चाहिए.”

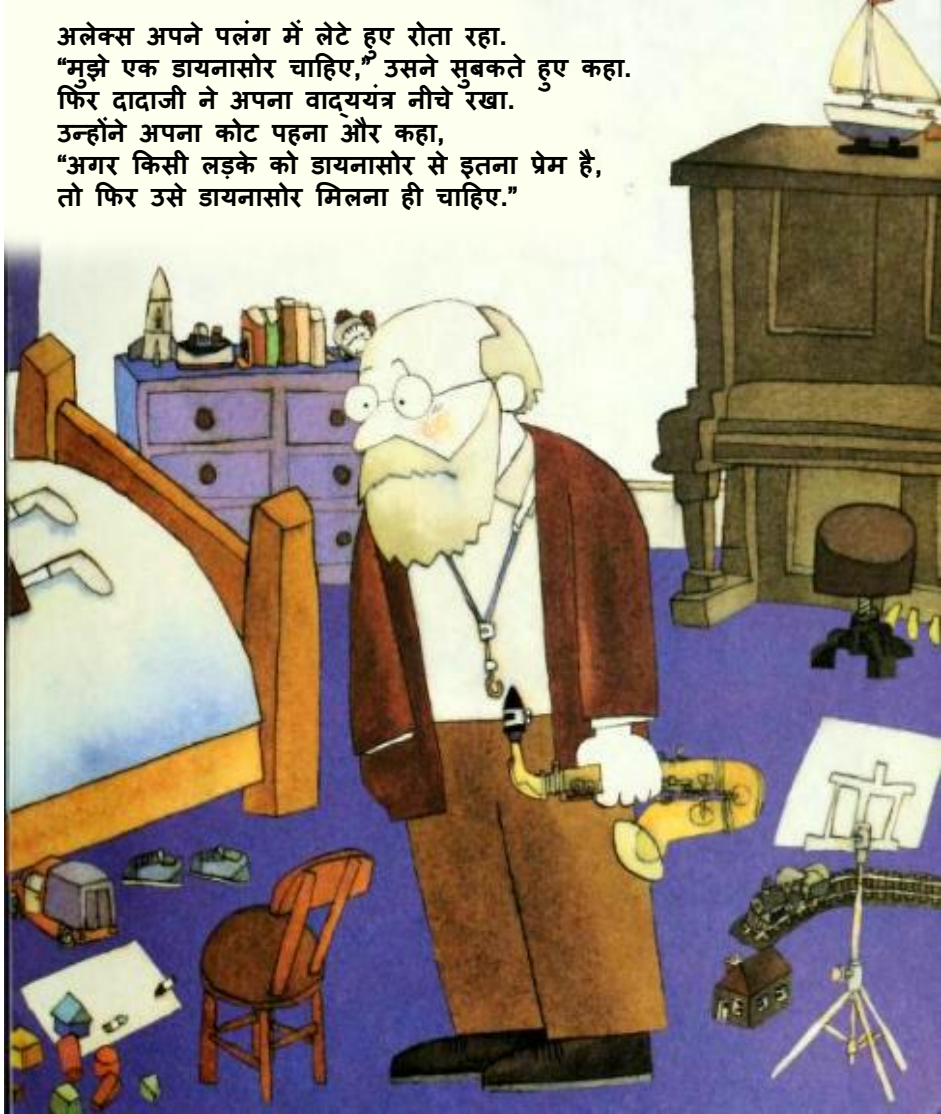

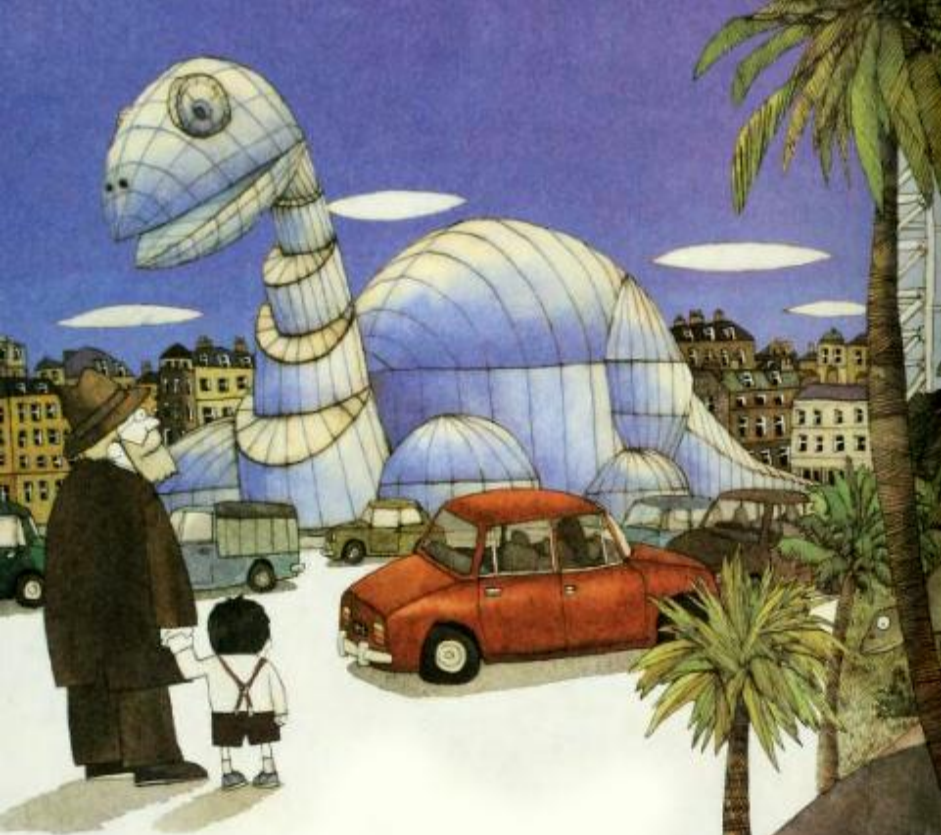

फिर दादाजी, अलेक्स को डायनासोर की दुकान में लेकर गए.
डायनासोर की दुकान बहुत बड़ी थी.
वो एक सड़क जैसी लम्बी थी.
अगर किसी को वाकई में डायनासोर चाहिए
हो तो यह दुकान उसके लिए बिल्कुल
सटीक जगह थी.

दुकान की पहली मंजिल पर बड़े और व्यस्क डायनासोर थे. दूसरी मंजिल पर युवा डायनासोर थे. पर निचले तल्ले यानि बेसमेंट में छोटे डायनासोर थे, जो वहां ताल में पानी से खेल रहे थे.

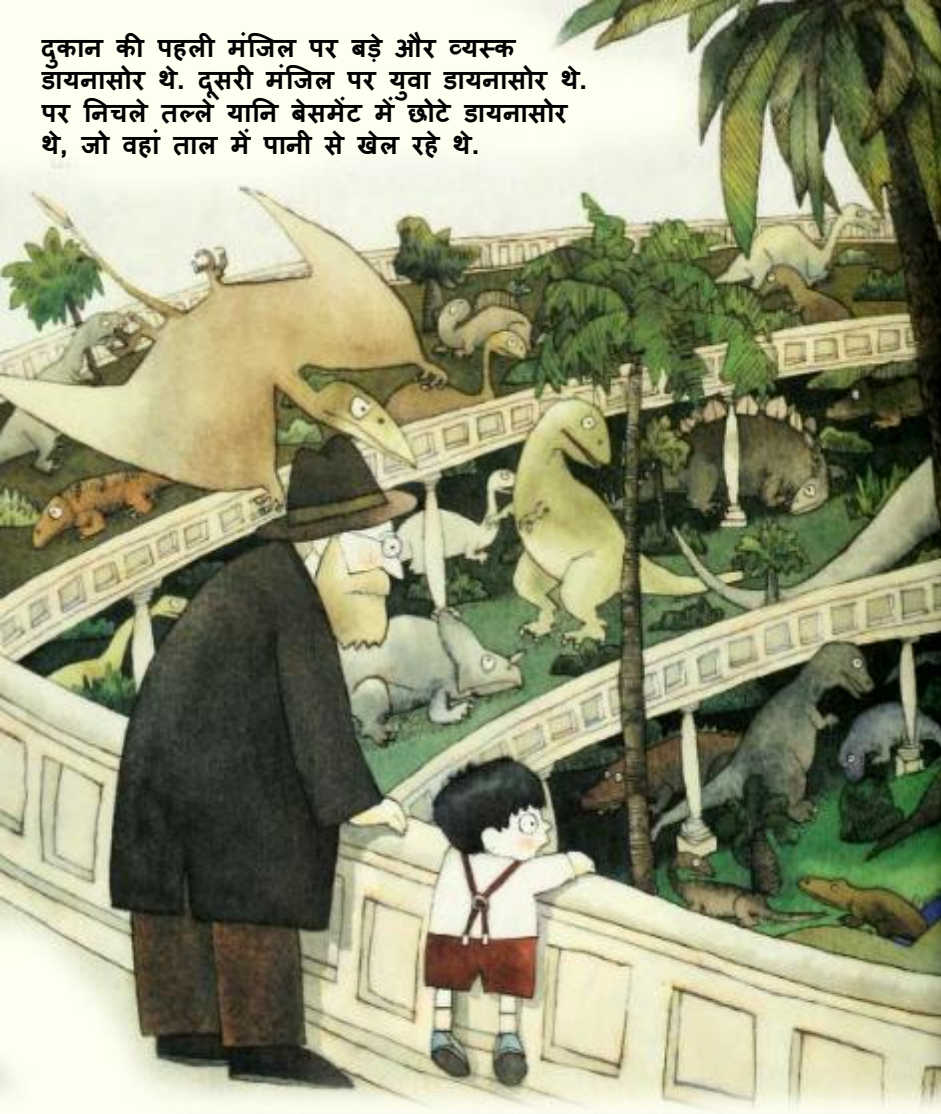

सबसे ऊपर वाली मंजिल पर टेरोसौरुस नाम के डायनासोर हवा में उड़ रहे थे. और तीसरी मंजिल पर डायनासोर की ज़रुरत की सारी चीज़ें मौजूद थीं.

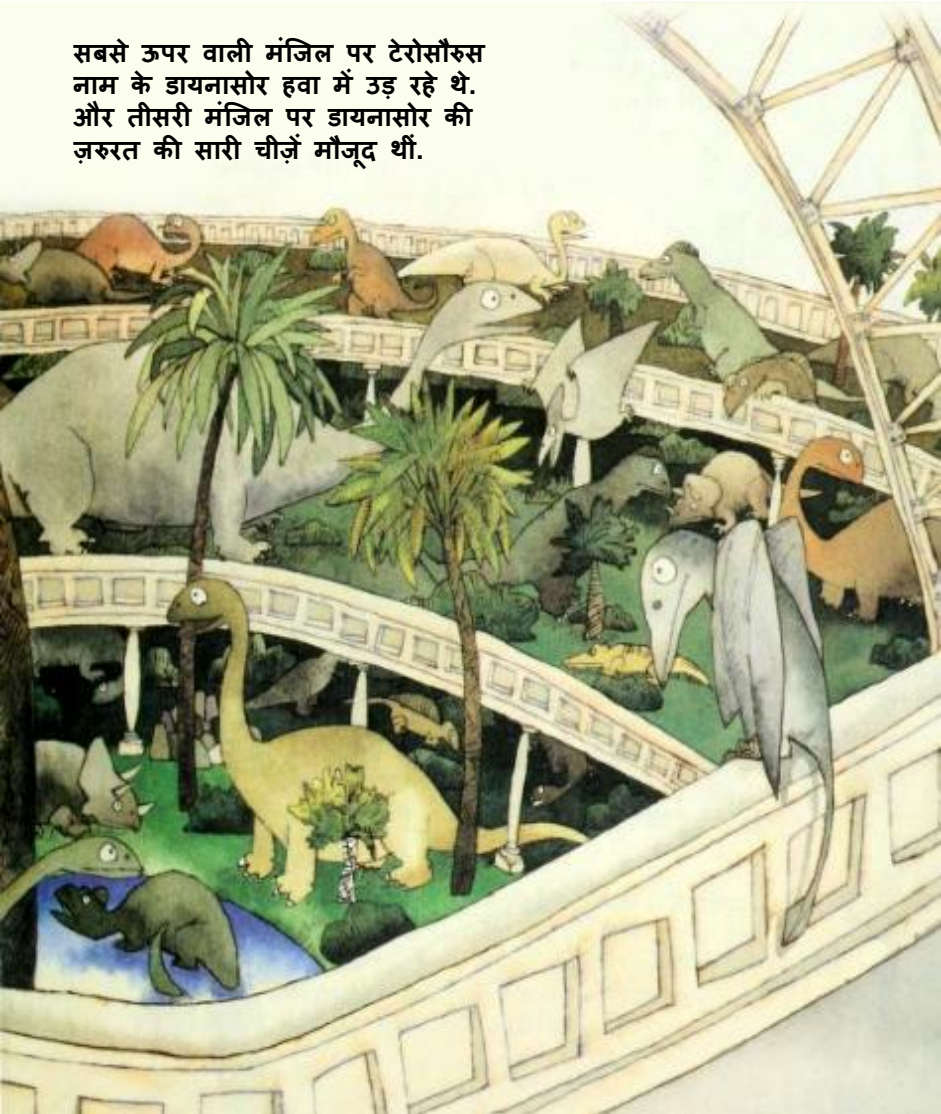

पहले अलेक्स को ट्राईसरोटॉप्स लेने का मन हुआ.
फिर उसने मन बदलकर फैबसौर लेने का मन बनाया.
जब उसने डिप्लोडोकस लेने की सोची तभी उसे अनेकों
अन्य डायनासोर दिखे.

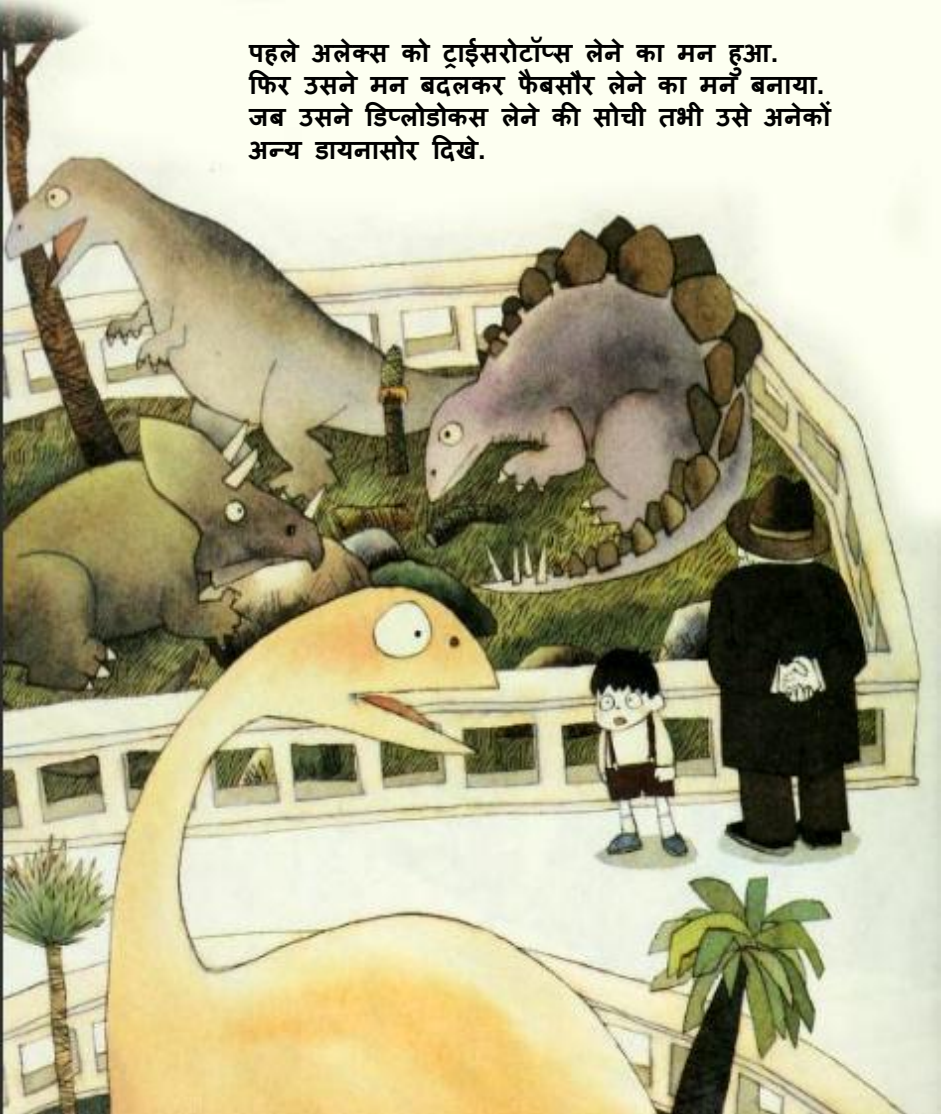

तभी एक डायनासोर लुढ़कता हुआ अलेक्स के पास आया. उसने अपनी आँखें मटकायीं और आकर अलेक्स के हाथ को चूमा.

“मैं उसे फ्रेड बुलाऊंगा,” अलेक्स ने कहा.

“पर वो एक लड़की डायनासोर है,” दादाजी ने अलेक्स को समझाया.

“वो लड़की सब कुछ खाती है – मांस और पौधे दोनों!”

“फिर मैं उसे नाम दूंगा – *वो जो सबकुछ खाती है.* पर उसका छोटा नाम फ्रेड ही होगा,” अलेक्स ने कहा. फिर फ्रेड के लिए जिन-जिन चीज़ों की ज़रुरत थी उन्होंने वो भी खरीदीं. उन्होंने फ्रेड के गले में एक कालर और रस्सी बाँधी और फिर वे उसे लेकर वापिस घर गए.

घर पहुँचने पर अलेक्स यह जानने को बहुत इच्छुक था कि फ्रेड क्या खाती है. उसके लिए दो थैले जीवाश्मों को दूध में भिगोकर फ्रिज में रखा गया था. साथ में एक ड्रम भर काई और तीन थैले चीड़ की सुइयों जैसे पत्ते भी थे.

"अलेक्स!" माँ ने कहा. "डायनासोर को यह सब खिलाना बहुत मुश्किल काम होगा."

"नहीं डायनासोर यह सब आसानी से खा लेगा," अलेक्स ने कहा. "उसके लिए यह तो बस छोटा सा नाश्ता होगा."

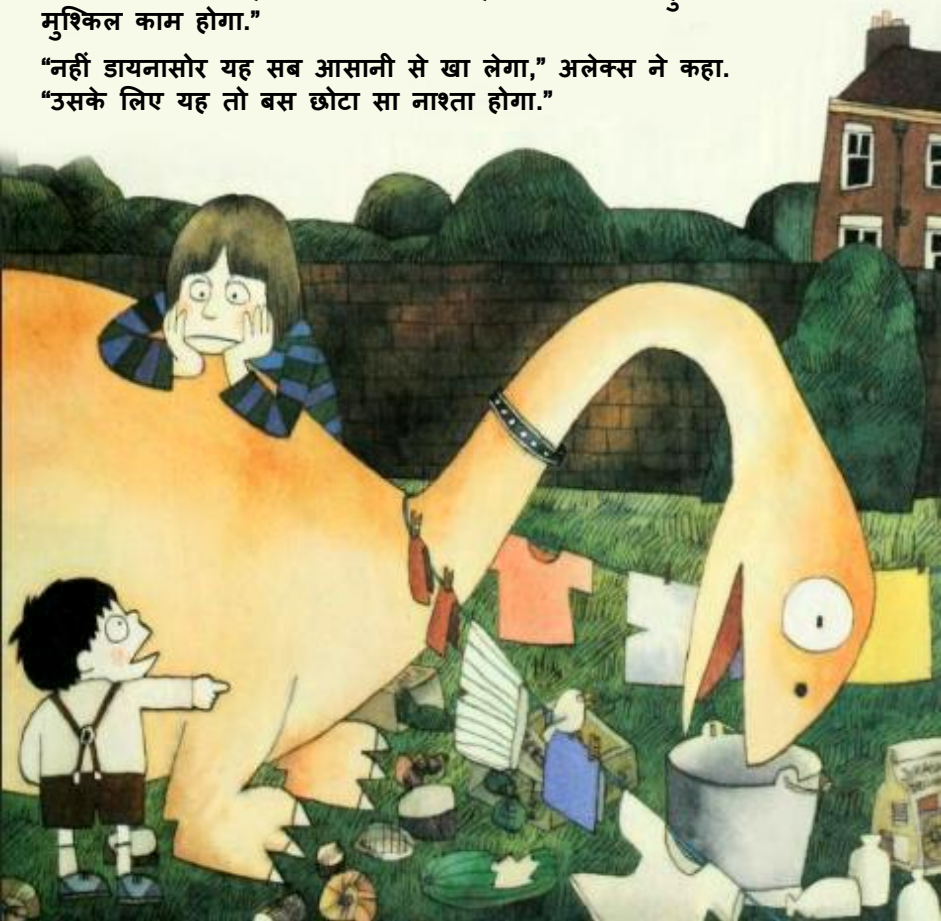

फिर अलेक्स ऊपर गया. उसने टब में गर्म पानी भरा. उसमें कुछ दलदल का पाउडर डाला और फिर फ्रेड को नहलाया.

“अलेक्स,” पिताजी ने घर वापिस आकर कहा, “दलदल का पाउडर घर में अच्छा नहीं है!”

“पर डायनासोर के लिए वो बहुत अच्छा है,” अलेक्स ने गुस्से में कहा. “डायनासोर के लिए तो दलदल का पाउडर एकदम प्राकृतिक चीज़ है.”

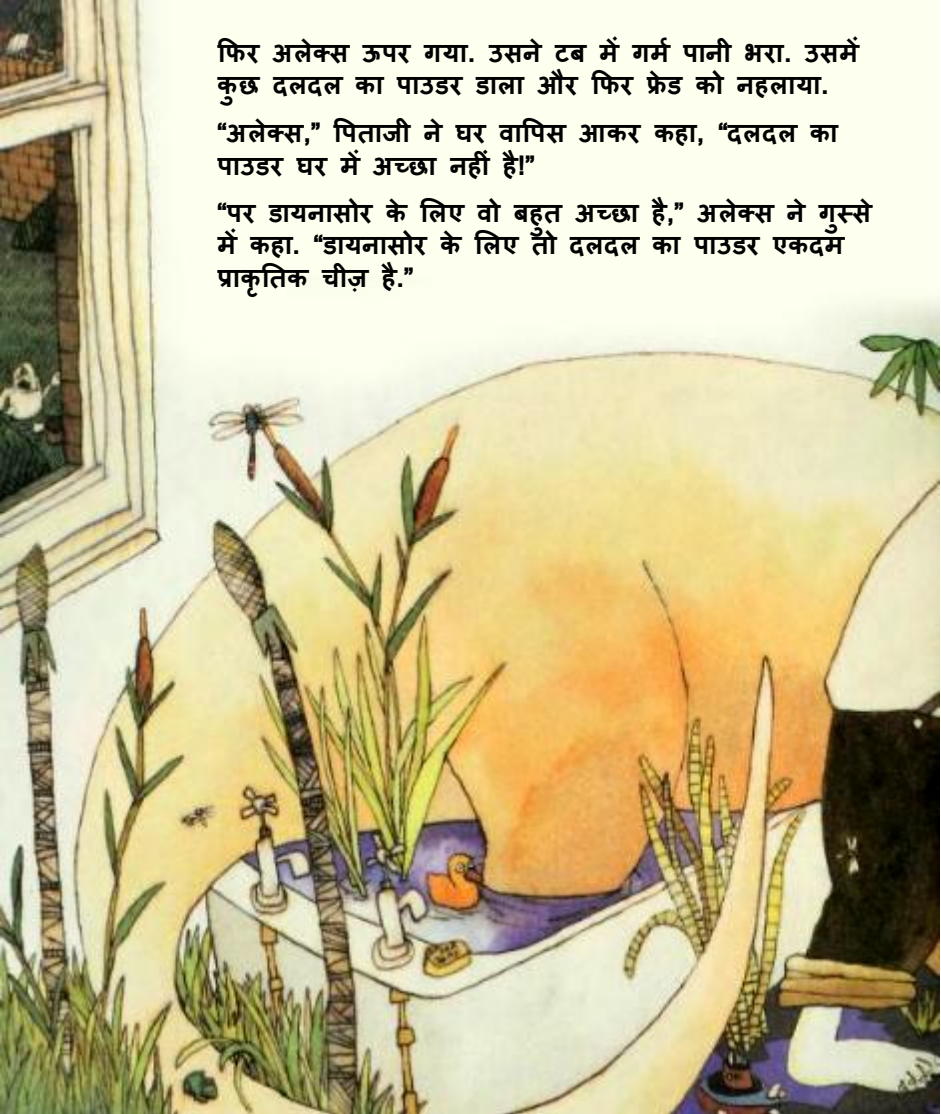

उसके बाद दादाजी अलेक्स और फ्रेड को अपने कमरे में ले गए.
उन्होंने अलेक्स को तब तक गीत सुनाए जब तक वो सो नहीं गया.
उन्होंने यह नहीं देखा कि फ्रेड ने खुद को शांत करने के लिए अँधेरे में
कमरे में मौजूद सभी चीज़ों को चबा डाला था.

सुबह को जब अलेक्स की माँ कमरे में आईं तब वो यह सब देखकर बेहद गुस्सा हुईं. वो पलंग पर बैठकर रोईं और चिल्लाईं.

“यह तो बेहद बरबादी हुई,” उन्होंने कहा. “यह तो बिल्कुल ज़ालिम अत्याचार है.”

“किसी डायनासोर के लिए चीज़ों को चबाना बहुत आम बात है,” अलेक्स ने माँ को बहुत शांति से समझाने की कोशिश की.

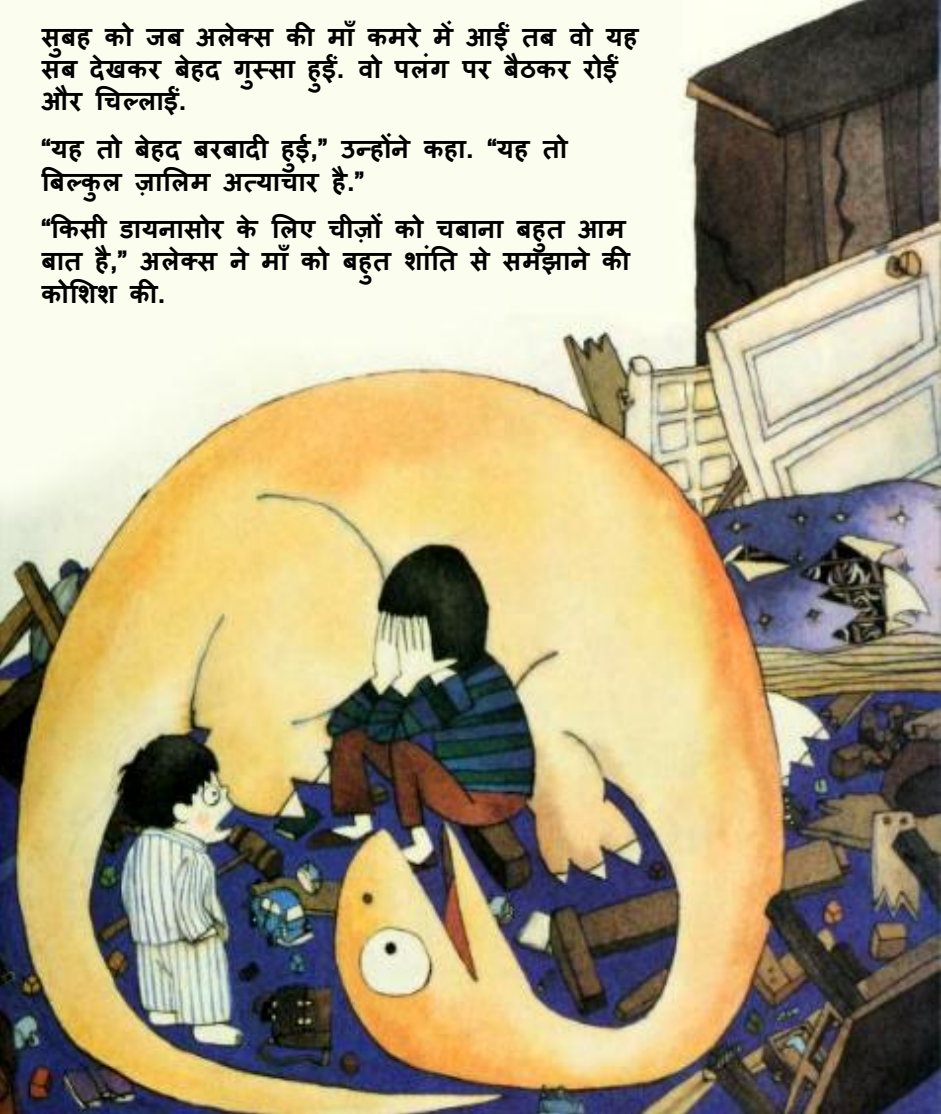

फिर अलेक्स ने अपने कपड़े पहने और उसने फ्रेड के गले में कालर डाला. उसके बाद वो फ्रेड को लेकर स्कूल चला. रास्ते में फ्रेड को एक ट्रक दिखा. फ्रैड ट्रक के सामने खड़े होकर उसे अपनी पूँछ से पीटने लगा.

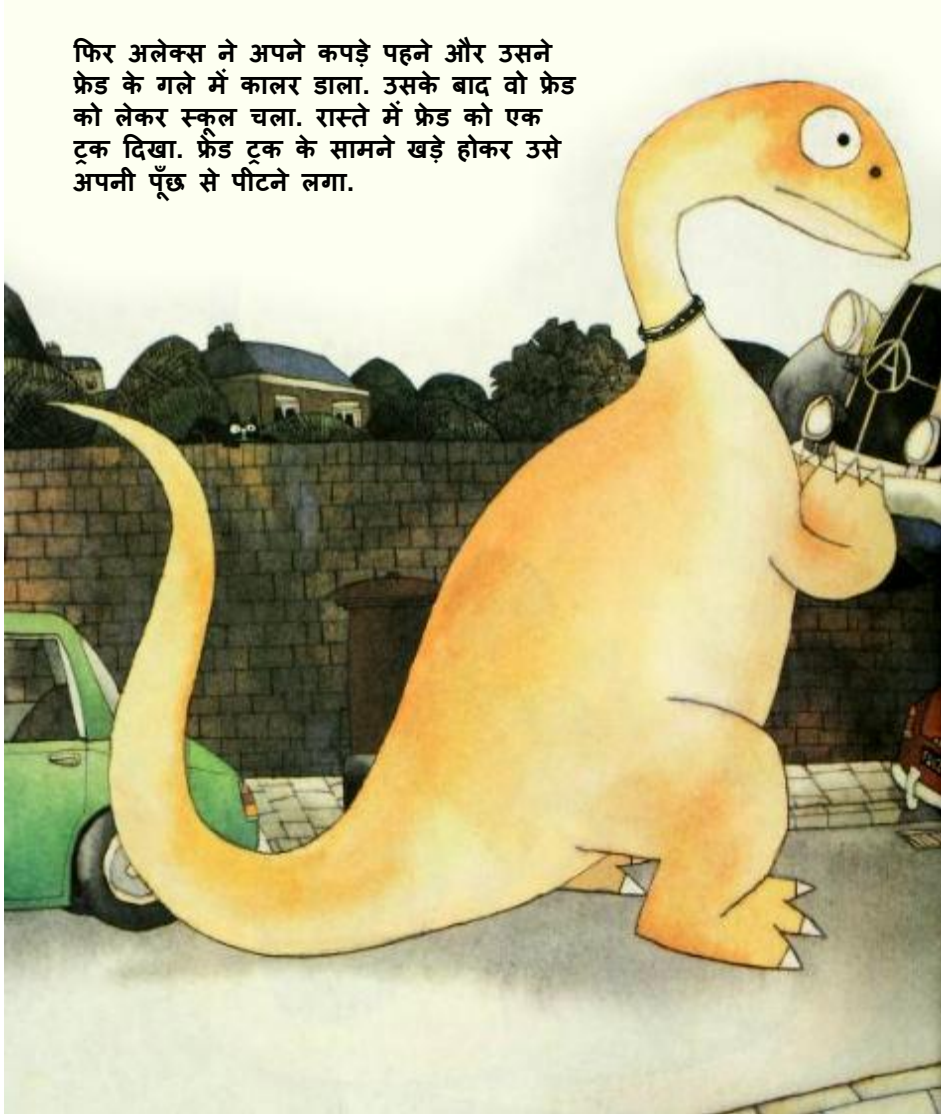

यह देखकर ट्रक का ड्राईवर बहुत गुस्सा हुआ. “मेरे ट्रक के सामने से हटो!” ड्राईवर चिल्लाया. “यह मेरी कंपनी का सबसे अच्छा ट्रक है!”

“मेरे डायनासोर को उससे क्या फर्क पड़ता है,” अलेक्स भी गुस्से में चिल्लाया. “मेरे डायनासोर के लिए तुम्हारा ट्रक किसी अन्य डायनासोर जैसा ही है!”

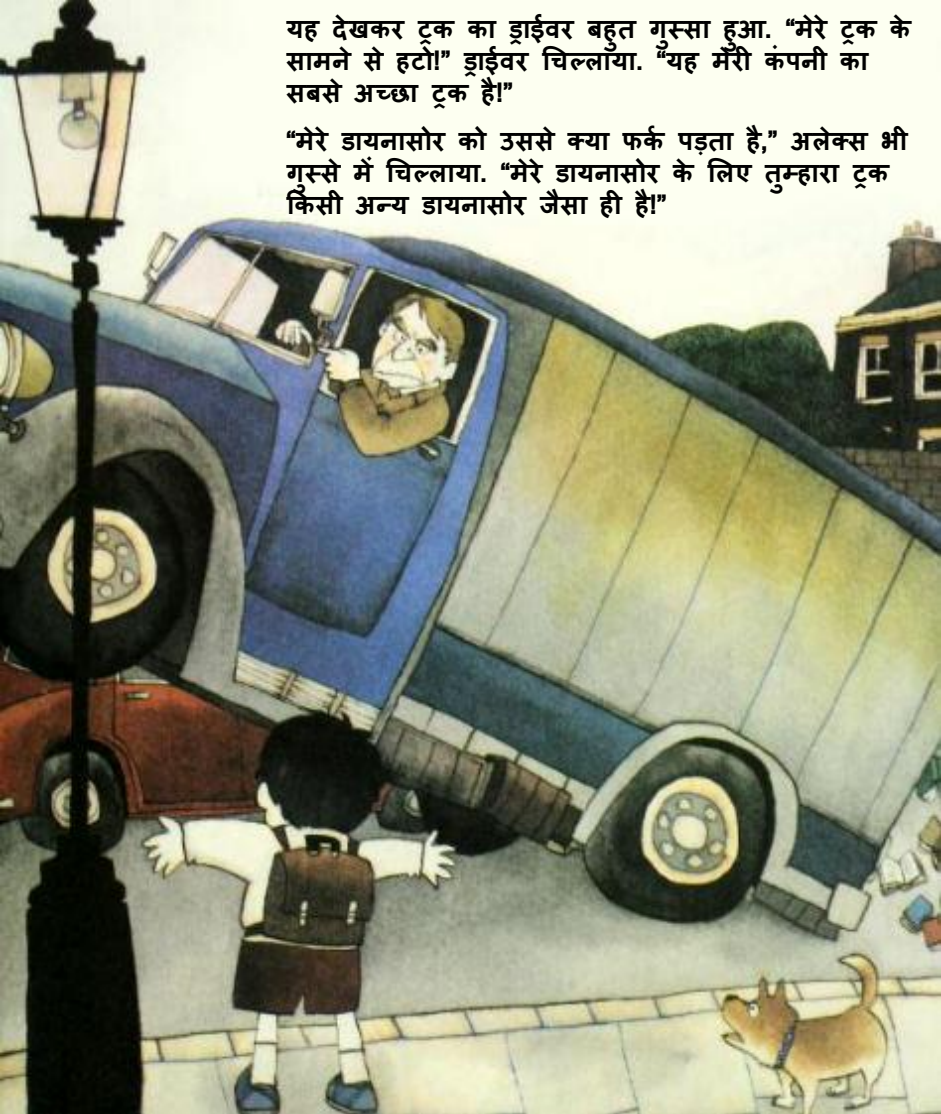

उसके बाद अलेक्स फ्रेड को खींचकर स्कूल ले गया. अलेक्स के मित्र "पालतू जानवरों" के कोने में एक डायनासोर को देखकर बहुत खुश हुए.
पर उनकी टीचर मिस जेनकिंस को यह बात कुछ ठीक नहीं लगी.
"कक्षा वो जगह है जहाँ पर बच्चे चुपचाप शांति से बैठकर सुनते और सीखते हैं, वहां कोई विघ्न नहीं होना चाहिए," उन्होंने कहा.
"पर मेरे डायनासोर के लिए यह ठीक जगह नहीं है," अलेक्स ने कहा.
"इस क्लास में बैठकर मेरे डायनासोर को बिल्कुल ठीक नहीं लग रहा है."

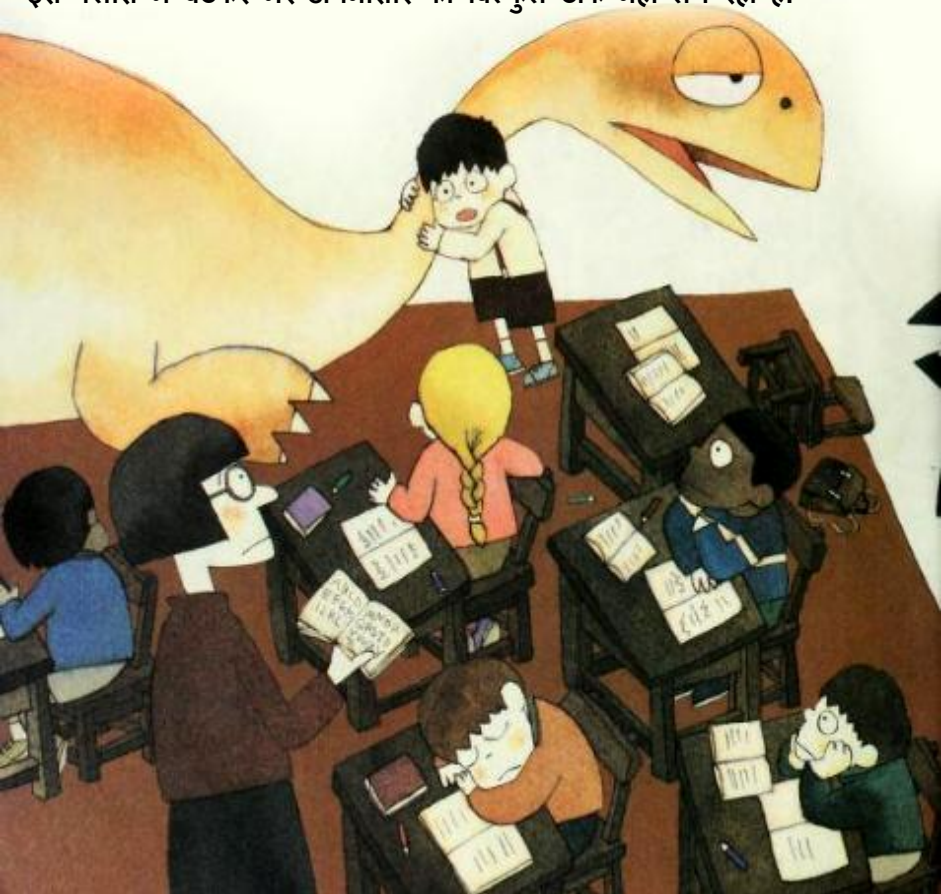

फिर अलेक्स अपने दादाजी को दौड़कर बुलाकर लाया और वो डायनासोर को एक जानवरों के डॉक्टर के पास ले गए. डॉक्टर ने फ्रेड की जीभ देखी और उसके दिल के धड़कन सुनी. फिर उन्होंने डायनासोर की आँखों को टॉर्च की रोशनी से जांचा-परखा. डॉक्टर ने जब ट्रक ड्राईवर से लड़ाई के बारे में सुना तब उसने एक्स-रे करके डायनासोर की हड्डियों की जांच भी की.

“अच्छा अब बताएं, कि फ्रेड को क्या परेशानी है?” अलेक्स ने पूछा.

“वो बिल्कुल ठीक है. उसे बस कहीं घुमाने के लिए ले जाओ,” डॉक्टर ने कहा.

फिर अलेक्स, फ्रेड डायनासोर को भेड़ों से भरे खेतों और पुआल से भरे खलिहानों में घुमाने ले गया. वहां जाकर फ्रेड को बहुत अच्छा लगा. फ्रेड कूदने और उछलने लगा. वो तेज़ी से दौड़ने लगा और फिर पूरे चीड़ के जंगल को पार करके ही रुका.

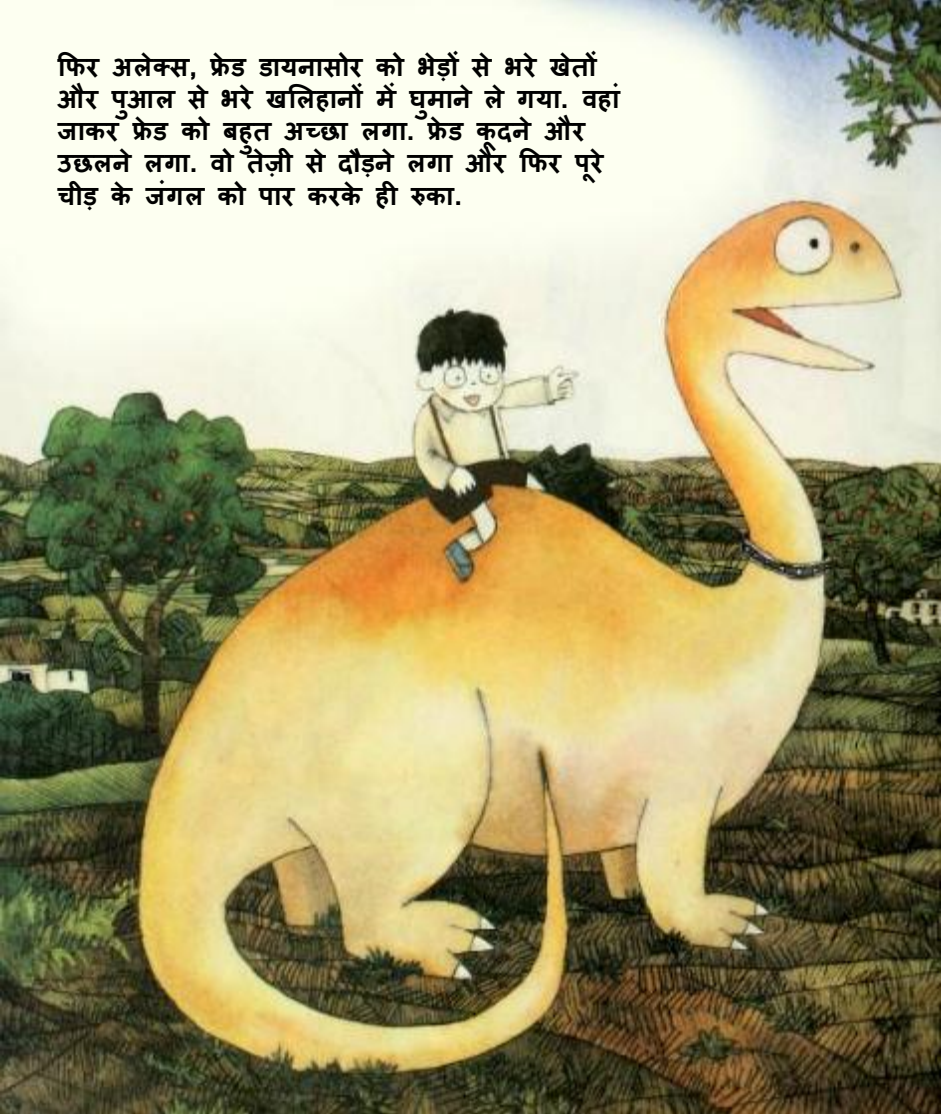

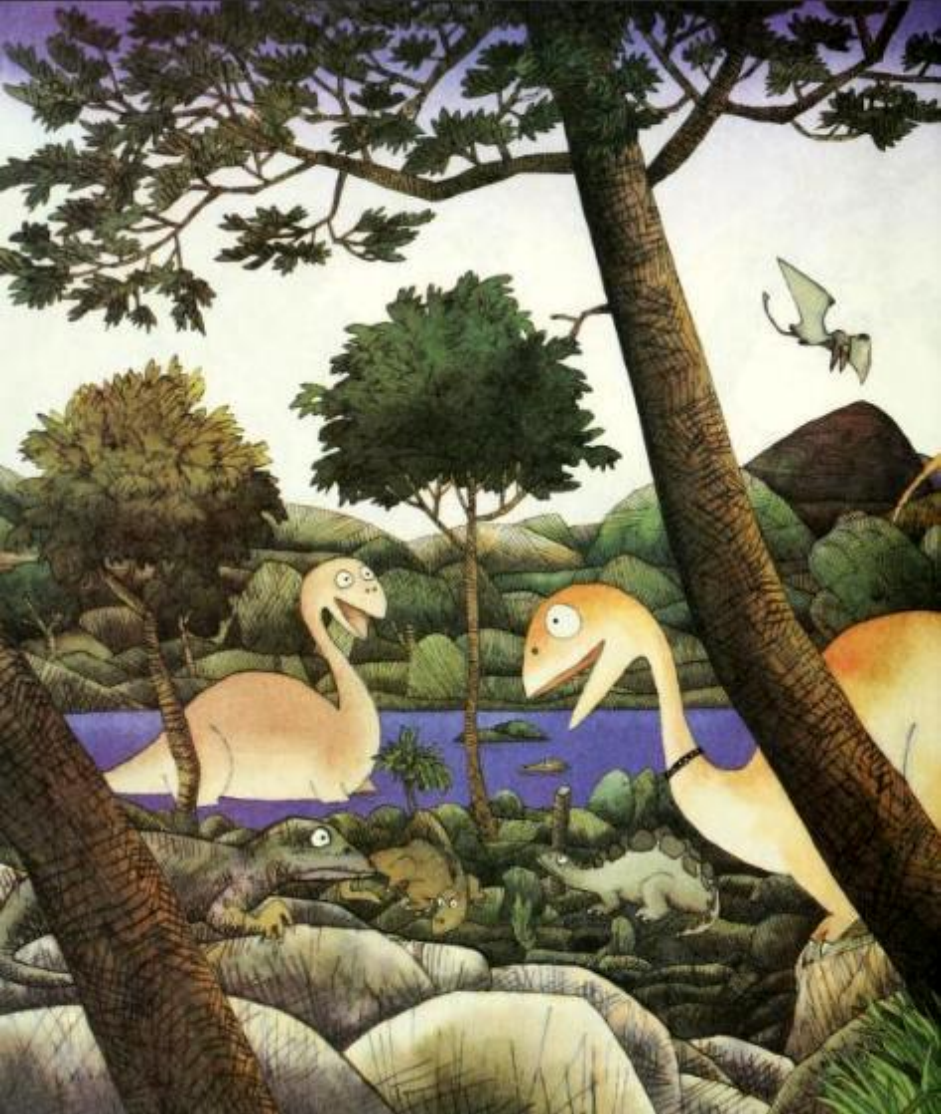

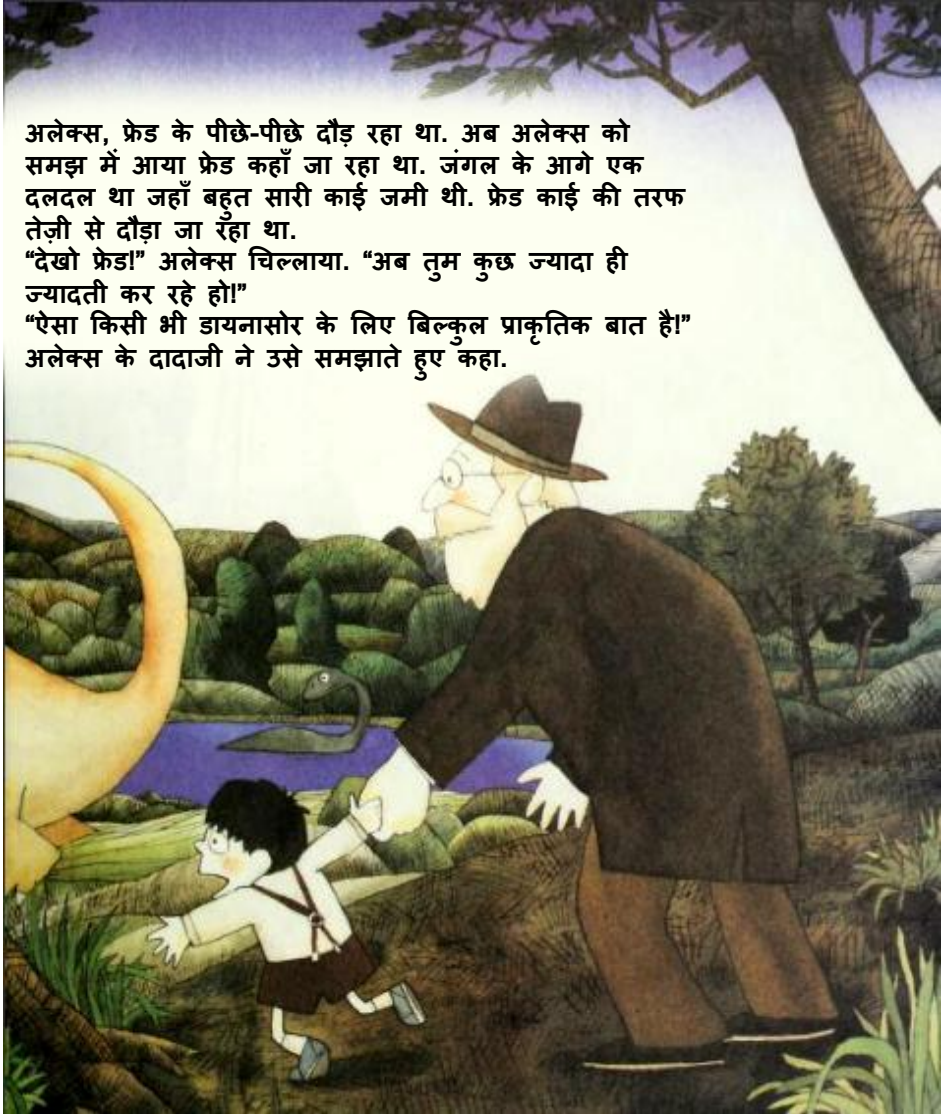

अलेक्स, फ्रेड के पीछे-पीछे दौड़ रहा था. अब अलेक्स को समझ में आया फ्रेड कहाँ जा रहा था. जंगल के आगे एक दलदल था जहाँ बहुत सारी काई जमी थी. फ्रेड काई की तरफ तेज़ी से दौड़ा जा रहा था.

"देखो फ्रेड!" अलेक्स चिल्लाया. "अब तुम कुछ ज्यादा ही ज्यादती कर रहे हो!"

"ऐसा किसी भी डायनासोर के लिए बिल्कुल प्राकृतिक बात है!" अलेक्स के दादाजी ने उसे समझाते हुए कहा.

... तभी अलेक्स की आँख खुली. उसका पलंग ठीक-ठाक था. कपड़ों को किसी ने नहीं चबाया था. अलेक्स ने सिर्फ एक डायनासोर का सपना देखा था. उसके बाद अलेक्स अपने दादाजी के पास गया.

"ठीक है!" दादाजी ने मुस्कुराते हुए कहा.

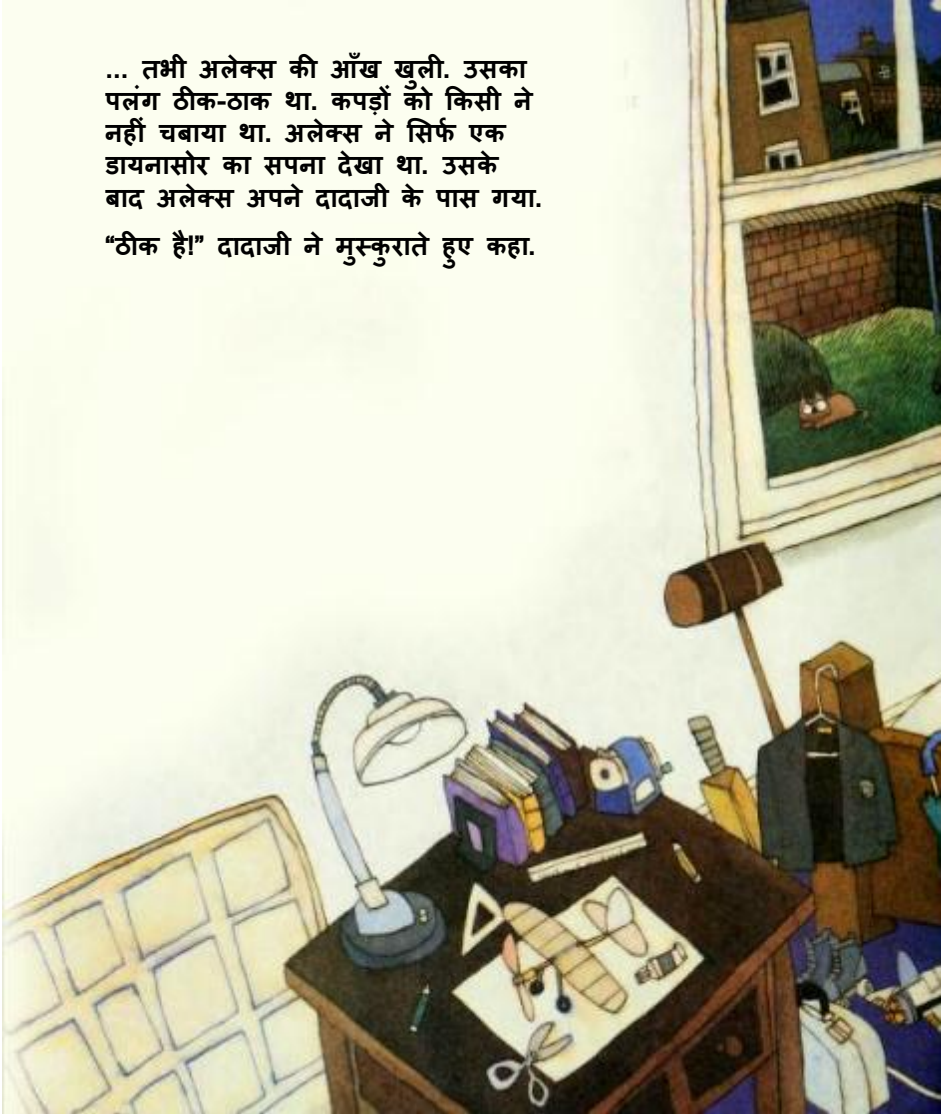

“अगली बार जब हम पालतू जानवर लायें, तो हमें ...”
“खरगोश लाना चाहिए,” दादाजी ने कहा.
“बिल्कुल ठीक,” अलेक्स ने कहा.
“और हम उसका नाम फ्रेड नहीं रखेंगे.”

किसी साधारण पालतू जानवर से
अलेक्स का काम नहीं चलेगा.
पर जब अलेक्स घर में एक डायनासोर लाता है
तो उसकी मुश्किलें काफी बढ़ जाती हैं.